

२१/५२५ पत्रावली के अर्द्ध
प्राचीनक व उर्वर अखिल
अनुपस्थित। आज लिखा
गई। केने अनुपस्थित।
बार-बार आज लिखा
गई। प्राचीनक व उर्वर
अखिल अनुपस्थित। बार-
प्राचीनक का अर्द्ध व
अनुपस्थित, अनुपस्थित
अखिल लिखा जा रहा है।
पत्रावली मध्य से अ
लेकर दायिना दफतर
है।



